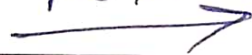


11/8/23

पञ्जावली पेरा 35/ मूल अपील
शामिल है वकील प्रार्थी का मुना
जय, पञ्जावली का अवलोकन किण्ड,
जय, इत वाजवा की मूल अपील
63/2 गुणावगुण के आद्या पर निर्णित
न कर वकील अपील-2 की अनुपस्थिति
में अदल दाजरी अदल देखी प्र
स्वारिज की गई थी। अपील-2
का कहना है कि उनके वकील साहब
अदल अदालत में व्याप्त रहे कि
कारण निम्न दिनांक 28/3/23 का लिपिपत्र
जप. न. 1 हो सके किन्तु वाड में
आए तब तक अपील D.D का
दी गई।

NEXT



यह सही है की मूल कपील की
जगह देशी पावनील कपीलान्त भी
अनुप्रापित म स्मरित की जाये की
हमारी विनय राग में वनील की
लापरवाही मात्र से निती पशका को
उसके एक-दूक्रे के सेवक म उनके
गुणावगुण के अक्षा पा न पुना जा
न्यायेचित न हो रहता है इसके
अलावा निती पशका की कानूनी
माहुरात की कमी के कारण मांस
ट्रेनिंगल ग्राउंड को आक्षा बनाया
जाया उस प्रकार के मूल गुण को
अनेकधा बिना जाया की हमारे ल्याल
से न्यायेचित न हो रहता है मूल
कपील का अभी गुणावगुण के अक्षा
पर निर्मित बिना जाया अभी
रोष है लिहाजा न्याय के नैतिक
सिधान्त के मध्यगत यह प्रार्थना-पत्र
वाजवा स्वीका बिना जाया है
मूल कपील पुनः नम्ब पर
ली जाये यह वाजवा पशवली
केवल मुक्त होना वास शरी
शकिल मूल कपील रहे

आशा पुनर्व जय

संभागीय आयुक्त
भरतपुर संभाग, भरतपुर